करवट

सुशांत सौरभ[1]

दो दशक पूर्व
बाईं करवट—
पिता की साँस
मेरी साँसों को धकेलती
दाहिनी करवट—
माँ

अभी
बायाँ कमरा—
खर्राटे
बीच-बीच में चुप्पी
दाहिना कमरा—
माँ

[1] स्वतंत्र लेखक, बाँका, बिहार, भारत